रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

माननीय प्रधानमंत्रीजी के जन्मदिवस पर अनेक कार्यक्रम
वि.वि. में रोपे गए 100 पौधे

जबलपुर 17 सितम्बर। राजभवन सचिवालय के निर्देश के परिपालन में आज दिनांक 17 सितम्बर, 2020 को माननीय प्रधानमंत्रीजी के जन्मदिवस पर विश्वविद्यालय परिसर में माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र के निर्देशन एवं प्रभारी कुलसचिव डॉ. दीपेश मिश्रा, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. विवेक मिश्रा तथा राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक डॉ. अशोक मराठे की उपस्थिति में शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं छात्र–छात्राओं द्वारा कुल 100 पौधों का रोपण किया गया। इसमें पीपल के 25, नीम के 15, अशोक के 15, आंवला के 15, जामुन के 15 एवं करंजी के 10 पौधे थे।

वि.वि. ने 05 (पांच) कुपोषित एवं टी.बी. ग्रसित बच्चों को गोद लिया

विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य केन्द्र में आज दिनांक 17.09.2020 को माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र के निर्देशन, चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजय श्रीवास्तव एवं आयुर्वेदाचार्य डॉ. जी.एल. टिटोनी की उपस्थिति में **05 (पांच)** कुपोषित एवं टी.बी. ग्रसित बच्चों को गोद लिया गया। विश्वविद्यालय की ओर से इनके स्वास्थ्य परीक्षण (थर्मल टेम्परेचर,

व्लड प्रेशर, पल्स आक्सीमीटर आदि) के पश्चात् उन्हें प्रोटीन न्यूट्रिशन सहित स्वास्थ्यपरक खाद्य पदार्थ एवं फलों का बैग दिया गया। साथ ही वैश्विक महामारी कोविड–19 के संक्रमण को दृष्टिगत रखते हुए आयुर्वेदिक काढ़ा, होम्योपैथिक मेडिसिन, मास्क, सेनीटाइजर एवं फेस शील्ड भी प्रदान किया गया।

वि.वि. में चलाया गया स्वच्छता अभियान –

विश्वविद्यालय परिसर में आज माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र के निर्देशन, प्रभारी कुलसचिव डॉ. दीपेश मिश्रा, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. विवेक मिश्रा एवं राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक डॉ. अशोक मराठे की उपस्थिति में शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं छात्र–छात्राओं द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया गया जिसके तहत भवनों का सेनिटाइजेशन, साफ–सफाई, कचरा हटाना आदि कार्य किए गए।

.....

सही प्रस्तुतीकरण और मार्केटिंग से पर्यटन क्षेत्र में विकास संभव– कुलपति प्रो. मिश्र
'आत्मनिर्भर जबलपुर' पर पांच दिवसीय वर्चुअल राष्ट्रीय परिचर्चा का चतुर्थ दिवस

जबलपुर। सही प्रस्तुतीकरण एवं मार्केटिंग पर्यटन के क्षेत्र में विकास किया जा सकता है। आत्मनिर्भर जबलपुर एवं विकास की संभावनाओं के लिये हमे उपलब्ध संसाधनों में से ही आगे कदम उठाते हुए आगे बढने का प्रयास करना होगा। इस हेतु राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 द्वारा भी भारतीय विरासत को पुनरू प्राप्त करने एवं स्थापित करने में सफल होगी। आत्मविश्वास के साथ स्थानीय लोगो को मनोबल का विकास कर सोच का विस्तार करने से ही इस क्षेत्र का विकास संभव हो सकता है। उपरोक्त वक्तव्य माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने गुरूवार को विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित वर्चुअल राष्ट्रीय परिचर्चा के चतुर्थ दिवस की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किए।

विश्वविद्यालय व्यावसायिक अध्ययन एवं कौशल विकास संस्थान एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, महाकौशल प्रांत जबलपुर के संयुक्त तत्वावधान में 'आत्मनिर्भर जबलपुर' पर आयोजित ऑनलाईन परिचर्चा के चतुर्थ दिवस 'पर्यटन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर जबलपुर' विषय पर सारस्वत् अतिथि श्री रवीन्द्र वाजपेयी, वरिष्ठ पत्रकार एवं सलाहकार पर्यटन एवं संस्कृति मंत्रालय, ने कहा कि प्रकृतिक सौदर्य से संपन्न विरासत से परिपूर्ण जबलपुर शहर में प्रचार–प्रसार की एवं अच्छी मार्केटिंग करने की एवं विश्व धरोहर के रुप में इसे सबके सामने देश एवं विदेश के स्तर पर ले जाने की आवश्यकता है। स्टोरीटेलिंग, गाइड, सेल्फी एवं फोटो डेस्टीनेशन, शूटिंग साइट्स, फोटो जर्नलिज्म आदि क्षेत्रो के विकास से भी इस क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के अवसरों का विकास किया जा सकता है।

रोडमेप पर कार्य करने की आवश्यकता–

श्री कमल ग्रोवर, होटल एवं पर्यटन उद्योग, आत्मनिर्भर जबलपुर में होटल एंव पर्यटन उद्योग में शासन एवं प्रशासन के स्तर पर घ्यान देने की आवश्यकता है, इसके विकास में एक खुली एवं वैश्विक सोच ही इसे आगे ले जा सकती है, बेसिक इंन्फ्रास्ट्रक्चर एवं रीचिंग एप्रोच, आवागमन को दुरुस्त करने एवं रोड मेप पर कार्य करने पर बल देने की आवश्यकता है। विशिष्ट अतिथि प्रो. लवकुश मिश्रा, निदेशक, होटल एवं मैनेजमेंट टूरिजम विभाग, आगरा वि.वि. ने कहा कि आज के पेण्डेमिक के संदर्भ में डोमेस्टिक टूरिजम को बढ़ावा देने का अवसर हमें मिला है, इसके माध्यम से घरेलू पर्यटन के विकास को, लोकल हेन्डीक्राफट, हॉस्पिटेलिटी, होटल एवं मार्केटिंग पर फोकस करने उसके क्रियान्वयन की अपेक्षा की जानी आवश्यक होगी। समाज से शिक्षा को जोड़ने का प्रयास किया जाए। धरातलीय ज्ञान से ही विकास की गंगा एवं नर्मदा का प्रवाह हो सकेगा।

सोच और विजन से होता है विकास–

ऑनलाईन परिचर्चा में श्री लक्ष्मीकांत शर्मा, लेखक एवं पर्यटन विशेषज्ञ, जबलपुर ने कहा कि सोच एवं विजन से ही विकास होता है, ओल्ड जबलपुर का विकास एवं रजनीश, ओशो एवं महर्षि महेष योगी जैसे विश्वविख्यात लोगो की इस नगरी के नाम का प्रचार प्रसार न हो पाना ही हमारी असफलता का कारण है। अतिथि परिचय एवं स्वागत विवि कौशल विकास विभाग निदेशक प्रो. सुरेंद्र सिंह, सार संक्षिप्त उद्‌बोधन प्रो. राजेन्द्र कुररिया, सहसंयोजक, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, महाकौशल प्रांत ने प्रस्तुत किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ.अजय मिश्रा व परिचर्चा का संचालन डॉ. मीनल दुबे ने किया। वर्चुअल कार्यक्रम में प्रो. राकेश बाजपेयी, डॉ. राम कुमार रजक, प्रो. रीता भंडारी, डॉ. बिहारी लाल द्विवेदी, डॉ मनोज पाण्डे, श्रीमति तनु कुररिया, डॉ. रज्जन द्विवेदी, ई. महावीर त्रिवाठी, रीतेश चौरसिया, प्रशांत चतुर्वेदी, अमरकांत चौधरी, धनश्याम बर्मन सहित प्राध्यापक, अतिथि विद्वान एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

रादुविवि जनसम्पर्क प्रकोष्ठ/क्रमांक/938/17.09.2020